रूस की यूनिवर्सिटी में हुई अंधाधुंध फायरिंग, 8 की मौत

पर्म स्टेट यूनिवर्सिटी में हुए हमले से बचने के लिए डरे हुए छात्र सभागारों, हॉल में छिप गए

गोलीबारी

हमले में कई अन्य बुरी तरह से घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मॉस्को। रूस की एक यूनिवर्सिटी में एक बंदूकधारी ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया, जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। पर्म स्टेट यूनिवर्सिटी में हुए हमले से बचने के लिए डरे हुए छात्र सभागारों और हॉल में छिप गए। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में डरे हुए छात्र जान बचाने के लिए खिड़कियों से कूदते हुए दिखाई दे रहे हैं। त्वेपं ज्वकंल के मुताबिक हमले में आठ लोगों की मौत हो गई और छह घायल हो गए हैं।

रूसी मीडिया के अनुसार शूटर की पहचान 18 साल के Timur Bekmansurov के रूप में हुई है जिसकी घटनास्थल पर गोली लगने से मौत हो गई। दूसरी क्लिप में एक शख्स एक बड़े हथियार के साथ पर्म शहर स्थिति यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग की ओर चलता दिखाई दे रहा है। पर्म शहर रूस की राजधानी मॉस्को से 700 मील पूर्व में स्थित है।

लोगों ने खिड़की से कूदकर बचाई जानः रिपोर्ट के मुताबिक स्कूल के सोशल मीडिया ने सोमवार की सुबह परिसर में मौजूद सभी लोगों को सचेत किया कि अगर संभव हो तो परिसर को छोड़ दें या खुद को एक कमरे में बंद लें। जांचकर्ताओं ने कहा कि गोलीबारी में आठ लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में लोगों को खिड़की से कूदकर बाहर भागते हुए देखा जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्कूल के सोशल मीडिया ने सोमवार की सुबह परिसर में मौजूद सभी लोगों को सचेत किया कि अगर संभव हो तो परिसर को छोड़ दें या खुद को एक कमरे में बंद लें। जांचकर्ताओं ने कहा कि गोलीबारी में आठ लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में लोगों को खिड़की से कूदकर बाहर भागते हुए देखा जा सकता है।

शूटर उसी यूनिवर्सिटी का छात्र है जहां हमला हुआः यूनिवर्सिटी और पुलिस ने जानकारी दी कि शूटर को पकड़े जाने के बाद संकट समाप्त हो गया। कुछ रिपोर्ट्स में अपराधी के घायल होने और मौत के दावे भी किए गए। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने कहा कि शूटर उसी यूनिवर्सिटी का छात्र है जहां हमला हुआ। दावा किया जा रहा है कि उसने सोशल मीडिया पर एक नोट छोड़ा था जिसमें उसने अपने उद्देश्यों के बारे में बताया था।

न्यूज डायरी

पाकिस्तान में मस्जिद से पानी लेने पर हिंदू परिवार को दी यातना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। रियासत–ए–मदीना बनाने का वादा करके आए इमरान खान के नए पाकिस्तान में भी हिंदुओं के उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक मस्जिद से पीने का पानी लेने के कारण एक गरीब हिंदू किसान परिवार मुश्किल में पड़ गया है। कुछ कट्टरपंथी लोगों ने धार्मिक स्थल की 'पवित्रता का उल्लंघन' करने के लिए उसे प्रताड़ित किया और बंधक बना लिया। बताया जा रहा है कि हमलावर खुद इमरान की पार्टी पीटीआई के लोग थे। मीडिया ने सोमवार को यह खबर दी। 'डॉन' अखबार के मुताबिक पंजाब के रहीमयार खान शहर के रहने वाले आलम राम भील अपनी पत्नी समेत परिवार के अन्य सदस्यों के साथ एक खेत में कपास उठाने का काम कर रहे थे। भील ने कहा कि जब परिवार एक नल से पानी लेने के लिए पास की एक मस्जिद के बाहर गया तो कुछ स्थानीय जमींदारों ने उन्हें पीटा।

इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों ने ली तालिबान पर हमले की जिम्मेदारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काहिरा। आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट(आइएस) के आतंकवादियों ने तालिबान पर हमले का दावा किया है। इस्लामिक स्टेट ने पूर्वी अफगानिस्तान में तालिबान के वाहनों को निशाना बनाने के लिए किए गए सिलसिलेवार बम धमाकों की जिम्मेदारी ली है। आतंकवादी संगठन आइएस की मीडिया शाखा आमक समाचार एजेंसी पर रविवार देर रात प्रकाशित किया गया दावा तालिबान के लिए उनके लंबे समय से प्रतिद्वंद्वियों द्वारा बढ़ते खतरे का संकेत देता है। आईएस के गढ़ प्रांतीय शहर जलालाबाद में रविवार और शनिवार को हुए हमलों में कई तालिबान आतंकियों सहित कम से कम आठ लोग मारे गए थे। तालिबान ने पिछले महीने एक अभियान में अफगानिस्तान पर नियंत्रण कर लिया काबुल की राजधानी को भी हथिया लिया। जब यूएस. और नाटो अपने सैनिकों को वापस लेने के अंतिम चरण में थे। अमेरिकी गठबंधन का आखिरी सैनिक 30 अगस्त को रवाना हुआ।

तालिबान सरकार में तेल कंपनियों की मनमानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। काबुल और अफगानिस्तान के अन्य क्षेत्रों में तालिबान सरकार के आने के बाद तेल कंपनियों ने मनमानी शुरू कर दी है। पिछले एक हफ्ते में ईंधन की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। ये कंपनियां कीमत से ज्यादा दाम वसूल रही हैं। जनता ने तालिबान सरकार से इन कंपनियों पर अंकुश लगाने की अपील की है। टोलो की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले हफ्ते गैस की कीमतों में 15 अफ्स प्रति किलो और पेट्रोल की कीमतों में चार अफ्स की वृद्धि हुई है। काबुल में दुकानदारों का दावा है कि ईंधन आयात करने वाली कंपनियों ने ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी की है, जिसके कारण ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है। टैक्सी चालक का काम करने वाले अब्दुल हादी का कहना है कि कभी–कभी पेट्रोल के लिए अधिक भुगतान करना पड़ रहा है।

दुश्मन के इलाके में भी बसता है फ्रांस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नौमिया। ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका और ब्रिटेन के साथ परमाणु ऊर्जा से चलने वाली सबमरीन को लेकर एक डील साइन की है। इस सौदे ने फ्रांस को बेहद नाराज कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने फ्रांस के साथ अपने समझौते से खत्म कर अमेरिका से हाथ मिला लिया जिसे यूरोपीय देश ने श्धोखाश और श्पीठ पर छुरा घोंपनाश बताया। ऑस्ट्रेलिया हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन के दबदबे को चुनौती देने के लिए अमेरिका से हाथ मिला रहा है। भले ही पेरिस से इस क्षेत्र की दूरी हजारों किलोमीटर की है लेकिन ऑस्ट्रेलिया और श्फ्रांसश सीमाओं में सिर्फ कुछ ही मील का अंतर है। क्या आपको पता है कि पेरिस से 16559 किलोमीटर दूर हिंद–प्रशांत क्षेत्र में भी एक फ्रांस बसता है जिसकी ऑस्ट्रेलिया से दूरी महज 3285 किलोमीटर है। New Caledoni नाम का यह द्वीप फ्रांस का हिस्सा है और अमेरिका की तुलना में ऑस्ट्रेलिया का ज्यादा करीबी पड़ोसी है, ऐसे में फ्रांस की नाराजगी जायज है।

अमेरिकी टामहाक से चीन की दादागीरी पर लगेगा अंकुश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चीन ने हाल के वर्षो में अपनी सैन्य ताकत में काफी इजाफा किया है। दक्षिण चीन सागर से लेकर भारत की सीमा पर उसकी हरकतों से उसके हर पड़ोसी परेशान है। चीन की नौसेना का विस्तार हो रहा है। अमेरिकी अधिकारियों की मानें तो दूसरे विश्व युद्ध के बाद सबसे तेजी से चीन की सैन्य क्षमता में इजाफा हुआ है।

चीन ने इसके विकास में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसके मद्देनजर अमेरिका ने आस्ट्रेलिया की सैन्य क्षमता को मजबूत करने का निर्णय लिया है। क्षेत्रीय संतुलन को स्थापित करने के लिए अमेरिका की अगुआई में कई तरह के गठबंधन बनाए जा रहे हैं। इसका मकसद चीन के प्रभुत्व को सीमित करना है। इसी क्रम में अमेरिका अब अपनी मार्डन सैन्य तकनीक और हथियार आस्ट्रेलिया को देने पर राजी हुआ है।

अमेरिका आस्ट्रेलिया को बेहद घातक परमाणु पनडुब्बी और अमेरिकी ब्रह्मास्त्र कहे जाने वाली टामहाक क्रूज मिसाइलें देने को तैयार हो गया है। खास बात यह है कि ब्रिटेन के बाद आस्ट्रेलिया दुनिया का ऐसा देश है, जिसे ये महाविनाशकारी हथियार मिलेंगे। भारतीय नौसेना के पास अरिहंत परमाणु पनडुब्बी है। यह देश में निर्मित पहली परमाणु पनडुब्बी है।

चीनी योद्धा की मूर्ति बनाने में लगे 200 करोड़

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन 190 फुट की एक मूर्ति को स्थानांतरित कर रहा है क्योंकि इसने क्षेत्र के नजारे को खराब कर दिया है। इसे बनाने में 26 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की लागत आई है और निर्माण के दौरान भ्रष्टाचार के भी आरोप हैं। अधिकारियों का अनुमान है कि मूर्ति को एक से दूसरी जगह शिफ्ट करने में 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च होंगे। इनसाइडर की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी योद्धा–देवता गुआन यू की मूर्ति ने स्थानीय भ्रष्टाचार विरोधी अधिकारियों के गुस्से को उजागर किया।

ऑस्ट्रेलिया–अमेरिका पनडुब्बी डील से भड़का किम जोंग उन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सोल। चीन–नॉर्थ कोरिया की नापाक जोड़ी से निपटने के लिए ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के बीच परमाणु पनडुब्बी डील होने से सनकी तानाशाह किम जोंग उन भड़क गया है। उत्तर कोरिया ने ऑस्ट्रेलिया को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां मुहैया कराने के अमेरिका के फैसले की आलोचना की है। साथ ही इस अहम समझौते से उत्तर कोरिया की सुरक्षा प्रभावित होने की स्थिति में जवाबी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने सोमवार को उत्तर कोरिया विदेश मंत्रालय के एक

सुरक्षा प्रभावित होने की स्थिति में कार्रवाई की चेतावनी भी दी

अधिकारी के हवाले से यह बात कही, जिसने अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस समझौते को 'बेहद खतरनाक कार्रवाई' करार दिया। कोरियाई प्रायद्वीप में परमाणु हथियारों का जखीरा जमा करने वाले उत्त्तर कोरिया के अधिकारी ने कहा कि यह समझौता एशिया–प्रशांत में सुरक्षा संतुलन को बिगाड़ देगा और 'हथियारों की पाने की होड़' को बढ़ावा देगा।

फ्रांस के साथ अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया का तनाव चरम पर किम के अधिकारी ने बताया कि उत्तर कोरिया समझौते पर करीबी नजर बनाए है और 'अगर इसका हमारे देश की सुरक्षा पर मामूली असर भी पड़ा तो हम जवाबी कार्रवाई करेंगे। इससे पहले ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने हिंद–प्रशांत में चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र के लिए एक नए त्रिपक्षीय सुरक्षा गठबंधन 'ऑकस' (एयूकेयूएस) की पिछले सप्ताह घोषणा की थी, ताकि वे अपने साझा हितों की रक्षा कर सकें। साथ ही परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बियां हासिल करने में ऑस्ट्रेलिया की मदद करने समेत रक्षा क्षमताओं को बेहतर तरीके से साझा कर सकें। इस डील के बाद फ्रांस के साथ अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया का तनाव चरम पर पहुंच गया है।

काबुल में महिलाओं ने तालिबानी नीतियों का किया विरोध–प्रदर्शन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से लगातार हालात बिगड़ रहे हैं। विशेषतौर पर महिलाओं की स्थिति यहां पर बिगड़ रही है। तालिबान द्वारा लगातार नए–नए फरमान लागू किए जा रहे हैं। हाल ही में यहां पर लड़कियों के स्कूल जाने पर पाबंदी लगाई गई है, जिसके बाद महिलाओं ने राजधानी काबुल में तालिबान की नीतियों के खिलाफ विरोध–प्रदर्शन किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में दी गई जानकारी के मुताबिक, काफी संख्या में अफगानी महिलाओं ने काबुल में समान अधिकार और कार्य की मांग की। खामा न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार को इन महिलाओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कई स्लोगन का इस्तेमाल किया, जिसमें– हमारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारी शक्ति का निष्कर्ष है और शिक्षा, कार्य से संबंधित नारे लगाए लगाए। वहीं तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि वे महिलाओं के लिए शरिया कानून के तहत एक शक्तिशाली और प्रभावी प्रशासन की स्थापना करेंगे।